

गर्भगृह पुं. (तत्.) 1. मकान के बीच की कोठरी, मध्य का घर 2. घर का मध्य भाग, आँगन 3. मंदिर के बीच की वह प्रधान कोठरी जिसमें मुख्य प्रतिमाएँ रखी जाती हैं 4. प्रसूति का गृह।

गर्भ दिवस पुं. (तत्.) 1. गर्भकाल 2. कार्तिकी पूर्णिमा से लेकर लगभग 195 दिनों का समय जबकि मेघों के गर्भ में आने अर्थात् आकाश में बनने का समय होता है।

गर्भधारण पुं. (तत्.) 1. गर्भवती होने की क्रिया या भाव, हमल रहना।

गर्भनाल स्त्री. (तत्.) फूलों के अंदर की वह पतली नाल जिसके सिरे पर गर्भ केसर होता है।

गर्भपात पुं. (तत्.) 1. गर्भ का पाँचवे या छठे महीने गिर जाना, गर्भ गिरना।

गर्भवती वि. (तत्.) गर्भवाली, गर्भिणी, हामिला।

गर्भव्यूह पुं. (तत्.) युद्धमें सेना की एक प्रकार की रचना।

गर्भ संधि स्त्री. (तत्.) नाट्य शास्त्र के अनुसार पाँच संधियों में से एक।

गर्भांक पुं. (तत्.) नाटक के अंक का एक अंश जिसमें केवल एक दृश्य होता है।

गर्भाधान पुं. (तत्.) 1. गर्भ की स्थिति, गर्भ धारण 2. गुह्य सूत्र के अनुसार मनुष्य के सोलह संस्कारों में से पहला संस्कार।

गर्भारित पुं. (तत्.) छोटी इलाचयी।

गर्भाशय पुं. (तत्.) बच्चादानी, स्त्रियों के पेट में वह स्थान जिसमें बच्चा रहता है।

गर्भाष्टम पुं. (तत्.) गर्भ में आठवाँ महीना।

गर्भिणी वि. (तत्.) जिसे गर्भ हो, गर्भवती स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन काल की एक प्रकार की नाव 2. खिरनी, क्षीरिका।

गर्भित वि. (तत्.) 1. गर्भयुक्त 2. भरा हुआ, पूर्ण, पूरित जैसे- वह अर्थगर्भित शब्दों का प्रयोग करता है पुं. काव्य का एक दोष जिसमें कोई अतिरिक्त वाक्य किसी वाक्य के अंतर्गत आ जाता है।

गर्भोपनिषद् पुं. (तत्.) अथर्ववेद संबंधी एक उपनिषद् जिसमें गर्भ की उत्पत्ति तथा उसके बढ़ने का वर्णन है।

गरा वि. (देश.) लाख जैसा रंग पुं 1. लाखी रंग 2. लाखी रंग का घोड़ा 3. लाखी रंग का कबूतर (अर.) 1. अभिमान, घमंड 2. सतलुज नदी का एक नाम, 3. अभिमान के प्रदर्शन के लिए किया गया उग्र कार्य।

गराना अ.क्रि. (देश.) घमंडी बन जाना, हठीला या उद्धत बनना।

गर्व पुं. (तत्.) 1. अहंकार, घमंड 2. एक प्रकार का संचारी भाव 3. अपने को सबसे बड़ा और दूसरों को छोटा समझने का भाव 4. गरूर।

गर्वर वि. (तत्.) जिसे गर्व हो।

गर्वरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

गर्वाट पुं. (तत्.) द्वारपाल, चौकीदार।

गर्वित वि. (तत्.) गर्वयुक्त, घमंडी, अभिमान भरा।

गर्विता स्त्री. (तत्.) साहि. अपने रूप गुण पर गर्व करने वाली नायिका।

गर्वी वि. (तत्.) घमंडी, अहंकारी।

गर्वीला वि. (तत्.) घमंड से भरा हुआ, अभिमान युक्त, घमंडी।

गर्वोक्ति स्त्री. (तत्.) गर्वपूर्ण कथन या बात।

गर्हण पुं. (तत्.) निंदा, शिकायत, दोष लगाना।

गर्हणीय वि. (तत्.) निंदा करने योग्य, बुरा, निंदनीय।

गर्हा स्त्री. (तत्.) निंदा।

गर्हित वि. (तत्.) 1. जिसकी निंदा की जाए 2. निहित 2. दूषित, बुरा।

गलंतिका स्त्री. (तत्.) छोटा कलश, छेद युक्त घड़ा जिससे शिवलिंग पर जल का अभिषेक होता रहता है।

गलंश पुं. (तत्.) वह संपत्ति जिसका कोई मालिक या वारिस न हो।